EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 15

Chapter Name : मेघ आये

Q1 बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

Answer.

1. बारिश रूपी मेहमान की सूचना बयार यानी हवा का नाचते गाते आकर देना।

2. मेघ रूपी मेहमान को देखने के लिए पेड़ों द्वारा गर्दन ऊंची करना।

3. हवा के झोंकों से दरवाजे व खिड़कियों का खुल जाना।

4. आंधी का चलना और धूल का उड़ते जाना।

5. हिलोरे लेती नदी को रुक कर बांकी नजर से देखना।

6. तेज़ हवाओं द्वारा पीपल का झुकना ऐसा प्रतीत होता है।मानो मेघ रूपी मेहमानों का स्वागत कर रहे हों।

7. लताओं का हवा से हिलना ऐसा जान पड़ता है मानो वे पेड़ों में छिप रही हों।

8. आकाश में बिजली का चमकना।

9. तालाब में ऐसा प्रतीत होता है जैसे वे पानी भर कर ला रहे हों।

10. झमाझम बारिश का होना।

11. कवि की कल्पना।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2. निम्नलिखित किसके प्रतीक हैं ?

धूल, पेड़, नदी, लता, ताल

edugross.com

Answer. धूल – स्त्री, पेड़- नगरवासी, नदी – स्त्री, लता - मेघ की प्रतिक्षा करती नायिका, ताल – सेवक

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों ?

Answer.प्रस्तुत काव्यांश में लता ने बादल रूपी मेहमान को व्याकुल नवविवाहिता की तरह देखा। बादल रूपी मेहमान का आगमन पूरे एक साल बाद हुआ है जिसके कारण लता उसको इस प्रकार देख रही है। लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में छिप कर देखा। वे बादल के देर से आने से नाराज थी पर बिना उन्हें देखे रह भी नहीं पा रही थी।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4. भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की

(ख) बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।

Answer.

(क) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ग्रामवासी तथा मेघ के मानवीकरण के द्वारा प्रियतमा के प्रिय के आगमन का वर्णन करता है। प्रियतमा अपने प्रिय से क्षमा मांगती है क्योंकि उसको यह लगता है कि वह नहीं आएगा परंतु वह तो खूब आया। जिस प्रकार कुल आय ग्रामवासी तड़पकर बादलों से माफी मांगते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि बादल नहीं बरसेंगे परंतु ग्राम वासियों का यह भ्रम टूट गया।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति में कवि ने बादलों के आगमन की व्याख्या की है बादलों के आने के पश्चात नदी मद भरे वेग से बहने लगती है तथा उसका जल साफ एवं स्वच्छ दिखने लगता है। जिस प्रकार मेहमान के आने पर गांव की नव वधुएं बाँकी दृष्टि से उसे निहारने लगती हैं तथा वे अपने घुंघट को ऊंचा कर खोल खोलकर उसे देखने लगती हैं।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ?

Answer.एक रुपए मेहमान के आने से वातावरण में कई परिवर्तन हुए आकाश में ठंडी हवाएं चलने लगी जो आगे जाकर आंधी में परिवर्तित हो गई गलियों में धूल उड़ने लगी और ऊंचे पेड़ों की चोटिया तथा शाखाएं झुकने उठने लगी पेड़ों की लताएं हवा में लहराने लगी आसमान में बादल घिर गए और बिजली चमकने लगी और जोरदार बारिश होने लगी।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

edugross.com

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Q6 मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?

Answer.मेघों के लिए 'बन ठन के, संवर के' आने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि मेघ बहुत दिनों के बाद आए थे जिस प्रकार दमाद अपने ससुराल बहुत दिनों बाद आते हैं उसी प्रकार में एक भी बहुत समय बाद आए हैं।कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए बंन ठन की बात की है और एक तंज कसा है कि मम्मी ने मना कर दिया मेघ संवर रहे थे इसलिए उन्हें आने में देर हो गई।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण खोजकर लिखिए।

Answer.मानवीकरण अलंकार :

1. आगे-आगे नाचती बयार चली

यहाँ बयार का स्त्री के रुप में मानवीकरण हुआ है।

2. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

मेघ का दामाद के रुप में मानवीकरण हुआ है।

3. पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए।

पेड़ो का नगरवासी के रुप में मानवीकरण किया गया है।

4. धूल भागी घाघरा उठाए।

धूल का स्त्री के रुप में मानवीकरण किया गया है।

5. बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की

पीपल का पुराना वृक्ष गाँव के सबसे बुज़र्ग आदमी के रुप में है।

6. बोली अकुलाई लता

लता स्त्री की प्रतीक है।

रूपक अलंकार:

1. क्षितिज अटारी

यहाँ क्षितिज को अटारी के रुपक द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

2. दामिनी दमकी

edugross.com

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

दामिनी दमकी को बिजली के चमकने के रुपक द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

3. बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।

झर-झर मिलन के अश्रु द्वारा बारिश को पानी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8 कविता में जिन रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

Answer.कविता में गांव के रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है। दामाद के अपने ससुराल आने पर सभी लोगों का उससे मिलना और उत्साहित हो जाना, जिज्ञासा से मेहमान को देखना,बुजुर्गों द्वारा मेहमान का आदर सत्कार करना, पैरों को धोने के लिए थाल में पानी लाना, नवविवाहिता औरतों का घूंघट में छुप छुप कर मेहमान को देखना, बूढ़ी स्त्रियों का मंगलकामना करना।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q9 कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

Answer. प्रस्तुत कविता में मेघ और दमाद की तुलना की गई है। दोनों का आगमन समान बताया गया है। दोनों के आने से गांव में हर्ष उल्लास छा गया है। जैसे हवा के तेज बहाव के कारण पेड़ अपना संतुलन खो बैठते हैं, नदियों के जल में उथल-पुथल होने लगती हैं। ठीक उसी प्रकार जब मेहमान आते हैं तो लोग उनको देखने के लिए आते हैं और स्त्रियां छुपकर दामाद को देखने का प्रयास करती है और गांव के सबसे बुजुर्ग आदमी उनका आदर सत्कार करते हैं।

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

10. काव्य-सौंदर्य लिखिए -

पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

Answer.काव्य सौंदर्य

- बादलों के सौंदर्य को बहुत ही सुंदरता से व्यक्त किया गया है।
- बादल के लिए दमाद का अपमान बहुत ही सुंदर कल्पना है जिसमें उत्प्रेक्षा अलंकार का प्रयोग हुआ है।
- मेघ आए बड़े बन ठन के में मानवीकरण अलंकार है।
- बड़े बन ठन के में अनुप्रास अलंकार है।

edugross.com

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Page : 128 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q11 वर्षा के आने पर अपने आसपास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देखकर एक अनुच्छेद लिखिए।

Answer.बरसात का मौसम गर्मी के मौसम के बाद आता है। वर्षा चिलचिलाती गर्मी से बहुत राहत प्रदान करती है। वर्षा ऋतु का आनंद और खुशी के साथ स्वागत किया जाता है। बारिश के मौसम की शुरुआत में, आकाश में बादल छा जाते हैं, ठंडी हवा बहने लगती है और धूप कम ही दिखाई देती है। हालांकि, यह हर अब और फिर चमकता है क्योंकि बादल स्थिर गति से चलते रहते हैं। यह तब है जब लोगों को पता चल जाता है कि मानसून जल्द ही आने वाला है। लोग बेसब्री से बारिश का इंतजार करते हैं और बारिश के मौसम के अंत में आने पर खुश होते हैं। बारिश का मौसम सभी पीढ़ियों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। यह दैनिक अशांति के बीच एक राहत के रूप में काम करता है। यह विशेष रूप से किसानों के लिए महत्व रखता है क्योंकि बारिश फसलों को बढ़ने और खिलने में मदद करती है। ऐसे समय में जब चारों तरफ पानी की कमी होजति, बारिश का मौसम और अधिक महत्वपूर्ण होजाता है।

Page : 129 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q12 कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है ? पता लगाइए।

Answer.कवि ने पीपल के पेड़ को बड़ा बुजुर्ग इसलिए कहा है क्योंकि हर गांव में एक पुराना पीपल का पेड़ अवश्य होता है। गांव वासी पीपल के पेड़ को बहुत ही शुभ मानते हैं। पुराना पेड़ होने के कारण उसे बड़ा बुजुर्ग कहना ही ठीक है।

Page : 129 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q13 कविता में मेघ को 'पाहुन' के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्त्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इसके क्या कारण नजर आते हैं, लिखिए।

Answer. हमारे देश में अतिथि की तुलना देवता से की जाती है। लोग आज भी इस परंपरा का पालन करते हैं खासतौर पर ग्रामीण समाज में।

Page : 129 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q14 कविता में आए मुहावरों को छाँटकर अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए।

Answer.1. बन-ठन के - तैयारी के साथ - वो हमेशा बन ठन के रहती है।

edugross.com

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

2. सुधि लेना - खबर लेना प्रिया ने पढ़ाई की कई दिनों तक सुधि नहीं ली है।

3. गाँठ खुलना - समस्या का समाधान होना आपसी बातचीत द्वारा मेरी और शिखा की मन की कई गाँठे खुल गयी।

4. बाँध टूटना - धैर्य समाप्त होना दीक्षा के सब्र का बाँध टूट गया।

Page : 129 Block Name : भाषा-अध्ययन

Q15 कविता में प्रयुक्त आँचलिक शब्दों की सूची बनाइए।

Answer. बयार, पाहुन, उचकाना, जुहार, सुधि-लीन्हीं, किवार, अटारी, बन ठन, बाँकी, परात।

Page : 129 , Block Name : भाषा-अध्ययन

Q16 मेघ आए कविता की भाषा सरल और सहज है - उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

Answer. 'मेघ आए' कविता की भाषा सरल तथा सहज है। निम्नलिखित उदाहरणों द्वारा इसे स्पष्ट किया जा सकता है

1. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

2. पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के।

3. पेड़ झुककर झाँकने लगे गरदन उचकाए।

4. बरस बाद सुधि लीन्हीं

5. पेड़ झुककर झाँकने लगें

उपर्युक्त पंक्तियों में ज़्यादातर आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया गया है। कहीं-कहीं पर गाँव का माहौल स्थापित करने के लिए ग्रामीण भाषा का भी प्रयोग किया गया है जिसे समझने में कठिनाई नही होती है।

Page : 129 , Block Name : भाषा-अध्ययन

edugross.com